**७७॥ जूर्याचिमः योगजन सैयोगः उर्चो, चः शुद्धः स्ट्रा** 

अवर दूर्य मध्य जात्रा मर्द्र तामा क्षा अध्या ब्रेस ब्रिस क्रिस क्रिस हो स्ट्रिस हो सामा अध्या हो स

### ब्रेंब नहेंदा

\* उर्ज्ञान श्रुद्धिभ क्राप्तान्त्र विक्रोन प्रति क्राप्ता । \* उर्ज्ञान श्रुद्धिभ क्राप्तान वित्र क्राप्तान प्रति क्राप्तान प्रति क्राप्तान क्राप्त

द्र उद्दे कुर्जुन्नुचा है द्रज म भिष्ठम कुर्या से चीया मालुवी इदी उच्ची मालुद्र स्वाय ज्याहित मालूद्र प्रदेश में मालुद्र मालूद्र से स्वाय कुर्या मालुद्र स्वाय में कि स्वया में से कुर्या मालूद्र स्वया में से कुर्या मालूद्र से मालूद्र मालूद्र से मालूद्र

उच्चीय भुत्र मृत्या स्वराज्ञ स्वर्ता स्वराज्ञ स्वराज्ञ । भुत्र निर्माण अप्रतिमा स्वराज्ञ स्वराज्ञ स्वराज्य स्वराज्ञ स्वराज्ञ स्वराज्ञ स्वराज्य स्वराज्ञ स्वराज्ञ स्वराज

क्रिमामनामना मी र्यम् अह्त अदिव क्रि. उत्तमन तम् क्रिमान् त्रिमान् तिमान् मिन् क्रिमानन तम् क्रिमानन तम् क्रिम

चार्ट्य ठाफुराक्की क्रिक्स्यानाम् मेनाम् संभाग्ने प्रतिन अन्त्रान्ताम् प्रतिन प्रतिन अन्तर्भाग्ने मार्ट्य प्रति स्रोत्य प्रतिन क्रिक्स्यानाम् स्रोत्य प्रतिन प्रतिन

पूर क्रू मर धेर विवाजना जुन जुनान न मन मन्द्र में उत्पाज जुन विवाज मुन्न विवाज क्रून मिल क्रून

र्मार मालया होता हार प्रताप स्टाप्त प्रती हाम के का प्रताप के का प्रताप के किया होता होता होता होता होता होता है जाना स्वाप के किया होता होता होता होता होता होता है जाना स्वाप होता होता होता होता होता होता है जाना स्वाप है जाना स्वाप होता है जाना स्वाप होता है जाना स्वाप है जाना स्वाप होता है जाना स्वाप होता है जाना स्वाप है जाना स्वाप होता है जाना स्वाप होता है जाना स्वाप होता है जाना स्वाप है जाना स्वाप होता है जाना स्वाप होता है जाना स्वाप है जाना स्वाप होता है जाना स्वाप होता है जाना स्वाप है जाना स्वाप है जाना स्वाप है जाना स्वाप होता है जाना स्वाप है जान

चोष्याः अचायाः उद्देः केराताः गुराद्राः दाः कृत्योवाः कृषं व्यवाः विद्यानाः स्रीचावाः विद्यानाः स्री

# र्देव:र्क्व:दर:याँ

त्रव्यं चाडुचा च्युना चाडुचा जाती श्रेय क्रिजिट के अन्तर हर्य ताडुची के राज्य जा ज्या जा क्रिक्त क्ष्या क्ष्य हर्य चाडुचा च्यून क्ष्य क्

#### र्देव:क्व्यम्बिशया

कुर्यालकु उद्विद्यांतरला अवस्त्रस्य स्वालकृत् देशव स्वालक्ष्य उद्देशमानाम्य स्वालकृति के कि स्वालक्ष्य स्वालक् भुक्त स्वालक्ष्याच्या अवस्त्रम् स्वालकृत्य स्वालकृत्य स्वालकृत्य स्वालकृत्य स्वालकृत्य स्वालकृत्य स्वालकृत्य स

ुन्नु सुर्-दुर्-दर्न क्रिक्य-तम् क्रिक्क्षुद्रन्नविक्रक्षेत्रक्ष्यान्यकः क्रिक्न्यान्यकः क्रिक्न्यक्ष्याः स्ट-त्रक्ष्यकः क्रिक्न्यक्ष्याः स्ट-त्रक्ष्यकः स्ट-त्रक्ष्यक

#### र्देव:क्व.चाश्चम:धा

भ्रैन् र र र र्म्न (४६ व. ५८) पर र र र पर अर्थे र ता अयर् वर भी र वर अर्थे वर पर पर ही

#### र्देब:क्ब-प्रवे:पा

### र्देव.क्ष्य.कं.ता

## र्देव:क्वंदियाःग

भुमें रे रे र विभण कु अरुव रा नार उर्व क्षेत्र हिनर उर्वे म अक्षित यहूर उहूर्व क उहूर्य र वृत्त र वृत्त वह स्ति

## र्ट्रेब.क्ब.नट्व.ता

लूरी। उद्दे जना ठचीन मन्त्री प्रमुख कुंच कर्त्र कुंच चार लट होरी रास्टा उद्दे के में युर हो उने दे कुंच अधिक कर हु कुंच के स्वार लट होरी प्रमुख के स्वार लट होरी के स्वर्ध के स्वार लट होरी के स्वर्ध के

## र्ट्रेब.क्ब्र.चक्क्रट.ता

ર્ટ્યુઅ ક્રિક્ટ, હ્રાં ક્રિયા ત્રાપ્ત ક્રિયા ત્રાપ્ત કર્કા કર્કા કર્કા કર્કા કર્કા કર્કા કર્કા કર્કા કર્કા કર્

# र्देव:क्वं:दशु:धा

शुःभवः भरः नर्दवः पुनाषः श्रेषः वहेंद्वः मञ्जरः दरः। दे द्या भरः वः ध्वैरः वत्तु र ब्वेदः मानरुषः श्रे अवसः नार्वेदः ब्वेदः दुः नरुवा श्रे केना।

र्देब:क्ब-परु:पा

कुर्यानः केट तंत्र कुर्यायक्रम् जेवासायक्र स्त्रीयायका क्षेत्रायाय प्रत्याक्ष्य कुर्यायाय क्षेत्र यात्रायक्ष्य भुष्ये स्रोत्र स्राप्त स्त्रायाचे कुर्यायक्ष्यायका वित्रायाय किल्ला क्षेत्र क्षेत्र स्त्राया क्षेत्र क्षेत्र क्ष

र्देव:र्क्ज:पठु:माठैमा:पा

मृत्यस्त्र्री भुत्र्यस्यात्रमाथान्त्रभाभुभाभुवत्यस्यायान्त्रमायान्त्रम

द्रचायः क्रेट्स्य । ज्यानद्रह्मित्रायन्त्रक्षेत्रकृतद्वितिहर्द्धकृत्वेद्वित्रायः द्रवेत्रह्मित्रायः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः अपविषयः प्रत्याक्षेत्रक्षेत्रकृति अपविष्यः स्टिन्य वेह्न्युक्तेद्वियायः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः स्टिन्य

र्ट्रेब क्वं परु या है या है या है

र्ट्रब.क्ब.चश्च.चश्चम.न।

भ्रेप् र. र. में नावत मुन्तू भागक्षमा वटापूरवा शिल्यीमा ल्यी निर्देश निर्देश विषय मूर्य स्थानित स्थानित स्थानि

भ्रेन् र्र्-र्र-रर्त्तात्रभाष्ठे नवासुवासुरानाराज्य विनाववासुराक्षेत्र हित्राववा यारावास्य सास्यात् सुवासिराज्य

र्देब:क्ब्य:परु:पन्नि:प।

भ्रे म् मुम्म म्यान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त

र्देव:क्व.पर्यः संग

श्चे में में में में भाषा हैया वर्ष द द्वीय पर है विच वर वर्ष द

श्रामार मीयामार लिमा मी क्रियामन हेन घर नर्ख्य नेर् छैया वर्षेमा या रहा। यह त्रे क्रियामन नहे नक्ष्री र क्रियामा हेन वर्षेमा हो र वर्षेमा क्रिक्ना ।

र्ट्रब.क्ब.नरु.चैम.ना

में मृत्युत्यं प्रदूर्ता प्रमेनारी उत्त्री सेनान्य अत्रियमा कृत्र अमेनान्य कृत्य प्रमानित्य कर्ण में मान्य कर् से मृत्युत्य प्रदूर्ण प्रमान क्रियामा कृत्र अमेनान्य कृत्र के मिनान्य कर्ण के मिना कर्ण के मिना कर्ण के मिना क

पनरश्ची मृत्रियः गायः स्टः द्वाराम्यायेवः कः कॅर्न्तुर्यः धार्मे वृत्रः क्षेत्रं वृषः करः यः कुमा द्वीषाराध्येव।

. होम क्रम्यु स्तर्भावे संस्थान माने संस्थान स्वास्थान स्वास्थान स्वास्थान स्वास्थान स्वास्थान स्वास्थान स्वास्थान

र्ट्रव.क्व.पश्च.पर्टेव.ता

श्रात्रव स्टर्स्स मी अपयर द्वाद है प्रेट्र्स केट्रामेय सुन विष्यामिक यो प्राप्त स्टर्स मी अपयर द्वाद है प्रेट्स केट्रामेय स्टर्स केट्रामेय स्टर्म केट्राम केट्रामेय स्टर्म केट्राम केट्र

शुःचारः चीराःचारः विचाःची सामरः र्ययरः यर्च्यः एर्स्याः द्वीरः यदे द्वारा सी स्कूर्य।

र्ट्व.क्व.पर्व.पर्मेट.तो

क्ट्रिल्ट्राजना तत्त्व सेरावना नद्दश्च त्या क्रिय केव क्षेट्र प्रत्रा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रत्रा क्षेत्र क्षेत

र्ट्व.क्व.परु.दश्च.ता

र्देब:र्क्बक्रि:-वुपा

क्ट्नाराचील्याविव क्रियविव क्रिसे विवादि प्रति प्रमुख्या क्रिन्य प्रमुख्या विवाद प्रमुख्य विवाद प्रमुख्य विवाद

र्देव:क्वंत:क्रेन:मारीमा:पा

क्र्यायर प्रतामित्र स्वर द्वार द्वार द्वार प्रतामित्र स्वर प्रतामित्र स्वर प्रतामित्र स्वर प्रतामित्र स्वर प्र

श्रभः मु. उर्दूर्यः विज्ञा नामर च.र्ट्टा स्टर्चार स्व क्षेत्रका स्वित् वित्र अपन्य नाम्य चित्र स्व स्वाप्त स्व भ्रम्भ वर्द्द्र प्रतिक्ष मित्र स्वत् मित्र स्वत् मित्र प्रतिक्ष प्रतिक स्वत् स्वत् स्व स्वत् स्व स्वत् स्वाप्त

र्देव:र्क्रव:क्रेन्टमाक्रीश:या

ही कुर्याणा दुवा मान्यालेर प्रकृत विकाल स्वतंत्र के स

र्देव:क्वंनेत्र:माश्रुय:पा

लूरी भैत्र इ.इ.स.जम.य.व्रेर.त.रेस्। जम.द्रयाय.ठरूर् उद्घामक्रीर.ता दे.लर.रेस.ज.जूश्यतेर.उक्षममत्त्र्यायम.केरम.रेस.उत्तेन्तव्रजम.य.व्रेत्रत्यं जम.य.व्राव्यायम.केरम.व्रेत्रत्यं जम.य.व्राव्यायम.व

क्ट्नार-दिन्दिन् यो प्यत्ये प्रति क्षेत्राचित्र वित्या प्रति क्षेत्र वित्या प्रति वित्या प्रति वित्या प्रति वि

चैर बे हैं कूची त.सेर सुँच कुर्य नावर त्यां व्याकर अकू हुंब चैर र्याजार त्यां स्थान त्यां प्राप्त वा अप स्थान विकास के प्राप्त का कि प्राप्त के प्र

श्रीताव स्टर्स्स मी विषय सिर्मित कर कुर मुना अभ्या कुर्याना दियाना स्टर्म कुर मुना कुर्याना परिवृद्ध साम प्रि

र्देब:क्बं:केर:पर्व:पा

श्री तार्व स्टर जना गरिति शक्त जिर्चान स्टर अधिव बुटा दिन अपनाम सूच्या अव की स्पीट अर मूर्ट ताना अकूव र जनामू भिना तर है । ईस र जर्र घूर तार घूर विश्व विराध सूची।

र्देब.क्ब.धेर.कंता

ત્તુન કેન્દ્ર મુક્ત, મેળ ડાન્નોય નક્ય, કો સેન્ય અથી નોલવ નેના મન્ની વેળનય કેન્દ્ર કાલ્ય કોલ્યાને પોડ ન્યા કોલ્ય ત્રુનીના કુપણ કોલ્યા કેન્ય નુના ને મુંગત રાષ્ટ્ર કૃત કાન કેન્દ્ર કોલ્યા અને મોલા કોલ્યા કોલ્યા કોલ્યા કોલ્યા કેન્ય કોલ્યા કોલ્ય કોલ્યા કોલ્ય

श्री कुर्याय कुर्भैट भेटें मध्रेट पर्ट मध्रीय तर्जु सूच टेचट जूटी। बाजा टेटी विसीची चो चर्य केट बाजा टेशुचीय त्यम महिता पूर्याय त्या हो से हुंचीय त्या प्रतिची जूट याजा कि त्या पर

र्देब:र्ळब:क्रेस:ड्रुमा:धा

मृत्यस्यात्मावी अप्याधिवयमञ्जूत्रम्याम् अपः कृतम्यम् अम्द्रा वक्ष्यमम् अप्योधिको नेम्यान्त्रम् मृत्यम् अप्याधिक विष्यान्त्रम् विष्यान्त्रम् अप्याधिक विष्याप्तान्त्रम् अप्याधिक विषयाप्तान्त्रम् अप्याधिक विषयः विषय

ट्टी ब्राच्नीत्रवावनः तत्त्रवी देशक्रीजानज्ञानवी ट्टी द्रवीन्न रीतो कुराजीक्रूचीन के वाद्यान्त्रकृतिका हेर्चान प्रविद्यान स्वित्त्रक प्रविद्यान क्रियां के प्रविद्यान क्षेत्रक वाद्यान के प्रविद्यान क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक क प्रविद्या क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक विद्यान के प्रविद्यान क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्

पःसर्वेकान्तरः मी सुःधुमा इत्रमा वस्त्रेना प्रेर्वा र्श्वेरः मारः वर्द् बिमा र्श्वेरः र्नोका वर्देरः वर्दमा सि

र्देव:क्वं:क्रेर:मरुव:मा

भ्रेप्ट्रिं रेन्द्रभ्या के द्वाप के द्वाप के प्राप्त के प्र

भुन् इ.इ.स.क्व.द्यान्टा ण्याद्रद्यायवर्ग क्र्यात्यकात्यार लट स्टाने क्रियान्त्यार यो व्यत्यात्या वित्रात्या वि

र्देब:र्क्ब:क्रेर:पशुर:पा

भ्रेप् र्र-र्-रामभ्यानम्बामभावद्दीः वर्राह्मण्यूर् कुर्चन घर स्टानराममा लूरमा श्रिमी विवास हुत् हुत्रिक्समा स्व

र्देब:र्ळब:हेन:दशु:धा

भ्रे मेर् रे रे अ हे के निया के अया जनाव जिस निर्माण कर है। ने मिवरिय निर्माण के मिनिय हेन् क नाम अवश्वनीय के मम

शुर्व घ्रम घर स्टा, स्टास्तर क्षणाचना जुन स्टान की मुद्र मुन्न और उस्काल क्षणा अने नाम कुर्व कुर्वा विन्न के स्वा कि स्वा कि कुर्व स्वान स्टान के स्वा क्षणा स्वा कि स्वा कि स्वा कि स्व

र्घुयः घर-रहा। यर-रनार-७६-रना खाक्रसः झुंथः सुन्य-सुन्य क्षेत्र हुंन्य-र-रक्षिनायः एक्षियः एक्षाः कुन्य-क्षाः कुन

र्ट्रव.क्ष्य.श्रेन्य.चश्च.ता

उर्याजनार स्टर्णनानिक के के स्वाजन्ति हो स्वाजन्ति । अस्य स्वाजन्ति । अस्य स्वाजन्ति । । । । । । । । । । । । । क्रियान तथा क्रियाना ब्री ब्रेस्न निर्देश क्रियानी क्रियान क्रियान स्वाजन्ति । । । । । । । । । । । । । । । । ।